

गड़बड़ी • देरी की वजह से स्टूडेंट को नहीं मिल सकी कई विषयों में अपडेट जानकारी एसएमएस मेडिकल कॉलेज में महीनों बाद खरीदे जर्नल वो भी ज्यादा रेट पर

संदीप शर्मा | जयपुर

प्रदेश के सबसे बड़े एसएमएस मेडिकल कॉलेज की लाइब्रेरी (डॉ. राबर्ट हैलिंग लाइब्रेरी) में मेडिकल स्टूडेंट के लिए खरीद की जाने वाली किताबों और जर्नल में गड़बड़ी सामने आई है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज में खरीदे जाने वाले जर्नल एक तरफ जहां कई माह की देरी से खरीदे गए वहीं इन जर्नल की खरीद में लिया गया डिस्काउंट अन्य किसी भी मेडिकल कॉलेज की तुलना में सबसे कम था। प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज में जहां 37 प्रतिशत तक डिस्काउंट लिया गया, वहीं एसएमएस मेडिकल कॉलेज की लाइब्रेरी में मिनिमम डिस्काउंट महज 10 प्रतिशत लिया गया है। पिछले सात साल से एसएमएस लाइब्रेरी में ऐसा ही चल रहा है। इससे न केवल आर्थिक रूप से एसएमएस मेडिकल कॉलेज को नुकसान पहुंचाया गया बल्कि कई जर्नल्स कई महीनों की देरी से मंगाए। इस वजह से मेडिकल स्टूडेंट को विभिन्न विषयों में अपडेट जानकारी नहीं नहीं मिल सकी। मामले की शिकायत चिकित्सा विभाग के आला अधिकारियों से लेकर चीफ सेक्रेटरी तक को की गई लेकिन मामला दबा दिया गया। इस शिकायत के बाद पहली बार वर्ष 2018 में जो पुस्तकें खरीदी गई, उनमें 13 प्रतिशत का डिस्काउंट लिया गया।

किताबें और जर्नल के लिए हर साल आता है ₹1 करोड़ का बजट



एसएमएस मेडिकल कॉलेज की लाइब्रेरी को प्रतिवर्ष किताबें और जर्नल खरीदने के लिए एक करोड़ रुपए का बजट होता है। इनमें से 50 लाख की किताबें और 50 लाख की जर्नल खरीदी जाती है। यदि इतने की किताबें और जर्नल्स नहीं आती हैं तो ऑनलाइन और अन्य सुविधाओं पर यह खर्च किया जाता है।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज की लाइब्रेरी को प्रतिवर्ष किताबें और जर्नल खरीदने के लिए एक करोड़ रुपए का बजट होता है। इनमें से 50 लाख की किताबें और 50 लाख की जर्नल खरीदी जाती है। यदि इतने की किताबें और जर्नल्स नहीं आती हैं तो ऑनलाइन और अन्य सुविधाओं पर यह खर्च किया जाता है।

पुरानी जर्नल का क्या करें स्टूडेंट

कमेटी की ओर से हर बार समय पर जर्नल खरीदने के लिए आदेश जारी किए गए लेकिन लाइब्रेरी से खरीद ही देरी से की गई। यानी कि जनवरी की जर्नल अप्रैल मई माह तक आई। ऐसे में उस सब्जेक्ट को लेकर जो भी नया चल रहा होता है, उसका अपडेट स्टूडेंट को मिल ही नहीं पा रहा। डिस्काउंट भी कम : विदेशी जर्नल पर एसएमएस मेडिकल कॉलेज में की गई खरीद में भी गड़बड़ी सामने आई है। अन्य मेडिकल कॉलेजों में जहां 13 से 16 प्रतिशत तक डिस्काउंट लिया जा रहा है वहीं एसएमएस मेडिकल कॉलेज में यह पांच प्रतिशत ही डिस्काउंट लिया गया है। करीब 50 लाख की जनरल प्रतिवर्ष खरीदी जाती हैं। यदि 10 प्रतिशत की भी कॉलेज बचत करता तो पांच लाख प्रतिवर्ष बचते।

ऐसे होती है खरीद

पुस्तकालय की लोकल कमेटी बनाई हुई है, जिसमें पुस्तकालय अध्यक्ष किताबों और जर्नल को खरीदने की अनुशंसा करता है। इस अनुशंसा पर डॉक्टरों की लोकल कमेटी मोहर लगाती है। इसके बाद यह फाइल अकाउंट सेक्शन में चली जाती है और खरीद की जाती है। लेकिन हकीकत में डॉक्टरों कमेटी कभी इसे गंभीरता से देखती ही नहीं।

कमेटी जांच कर रही है

■ मामले में हमने कमेटी बना रखी है। वह जांच कर रही है। कुछ दिन में ही मामले का खुलासा हो जाएगा। डॉ. सुधीर भंडारी, प्रिंसीपल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज।

किस कॉलेज में कब कितना डिस्काउंट लिया गया

कहां	कब कितना डिस्काउंट
एसएमएस	
2014-2015	10
2015-2016	10
2016-2017	10
2017-2018	13
अजमेर	
2014-2015	33.70
2015-2016	40.70
2016-2017	39
2017-2018	40
जोधपुर	
2011-2012	36.70
2014-2015	33.70
2015-2016	40.70
2016-2017	37
2017-2018	39.06
कोटा	
2014-2015	39.70
2015-2016	20
2016-2017	20
2017-2018	20
उदयपुर	
2015-2016	29
2016-2017	31
2017-2018	41